Pinki Pathak

37

नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर आधारित

व्याकरण वैभव

V th A

हिंदी व्याकरण एवं रचना

लेखक

त्रिलोक कौशिक

हिंदी विभागाध्यक्ष
मॉडर्न स्कूल, वसंत विहार
नई दिल्ली

संपादक

राजेश कुमार 'विद्यार्थी'

संपादन सहयोग

मधुर अथैया

5

हेल्प लाइन

COMPLIMENTARY NOT FOR ... HELPLINE PUBLICATIONS

Scanned with CamScanner

1 भाषा, लिपि और व्याकरण
(Language, Script And Grammar)

नीचे दिए गए चित्रों को ध्यान से देखिए–

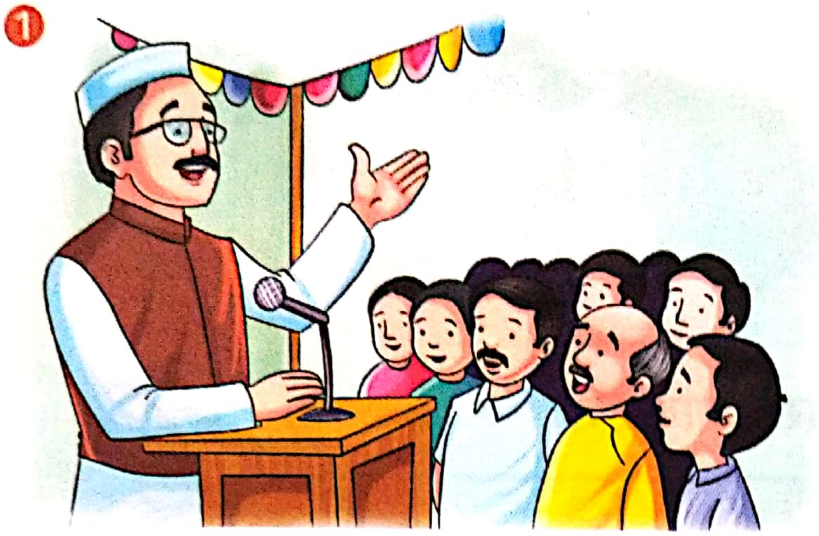

प्रथम चित्र में नेता जी अपने विचारों को **बोलकर** लोगों तक पहुँचा रहे हैं। उपस्थित लोग **सुनकर** उनके विचारों को समझ रहे हैं।

दूसरे चित्र में बालक अपने पिता जी को पत्र **लिखकर** संदेश पहुँचाना चाह रहा है। उसके पिता जी उसका संदेश **पढ़कर** समझ जाएँगे।

इस प्रकार, अपने विचारों को दूसरों के सामने बोलकर तथा लिखकर प्रकट किया जाता है, तथा दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझा जाता है। इसी साधन को भाषा कहते हैं।

भाषा वह साधन है जिसके द्वारा हम अपने विचारों को बोलकर तथा लिखकर व्यक्त करते हैं, तथा दूसरों के विचारों को सुनकर या पढ़कर समझते हैं।

भाषा के रूप

भाषा के दो रूप हैं– मौखिक भाषा और लिखित भाषा।

मौखिक भाषा– जब हम अपने विचारों का आदान-प्रदान बोलकर और सुनकर करते हैं, तो वह मौखिक भाषा कहलाती है।

मौखिक भाषा बच्चा अपने परिवार और आस-पास के वातावरण से सीखता है।

लिखित भाषा– जब हम अपने विचारों का आदान-प्रदान लिखकर और पढ़कर करते हैं, तो वह लिखित भाषा कहलाती है।

लिखित भाषा बच्चे विद्यालय में सीखते हैं।

सांकेतिक भाषा– मौखिक और लिखित भाषा के अतिरिक्त भाषा का एक अन्य रूप भी है– सांकेतिक भाषा। इसमें संकेतों द्वारा भावों अथवा विचारों का आदान-प्रदान होता है। जैसे–

Scanned with CamScanner

इस प्रकार के संकेतों का प्रयोग हम केवल आमने-सामने रहकर ही कर सकते हैं। दूर बैठे लोगों से कुछ कहने के लिए हम इन संकेतों का प्रयोग नहीं कर पाते। उनसे बातें करने के लिए किसी अन्य साधन की आवश्यकता लेनी पड़ती है।

हमारे देश में अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। हिंदी भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। हिंदी भारत की राजभाषा भी है। राजभाषा में सरकार का सब काम-काज चलता है। भारत में 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है।

1. हिंदी	6. बांग्ला	11. बोडो	16. मलयालम	21. संस्कृत
2. असमिया	7. कोंकणी	12. मैथिली	17. पंजाबी	22. तेलुगु
3. कश्मीरी	8. नेपाली	13. उड़िया	18. तमिल	
4. मराठी	9. संथाली	14. सिंधी	19. कन्नड़	
5. गुजराती	10. उर्दू	15. डोगरी	20. मणिपुरी	

विश्व में भी अनेक भाषाएँ बोली जाती हैं। सबसे अधिक देशों में बोली जाने वाली भाषा अंग्रेज़ी है। इस प्रकार अंग्रेज़ी अंतर्राष्ट्रीय भाषा है। कुछ देशों की प्रमुख भाषाएँ इस प्रकार हैं—

जापान – जापानी; चीन – चीनी; इंग्लैंड – अंग्रेज़ी; रूस – रूसी; फ्रांस – फ्रेंच

लिपि

किसी भाषा को लिखने के लिए कुछ प्रतीक चिह्न निर्धारित किए जाते हैं, जिन्हें **लिपि** कहते हैं। लिपि के द्वारा ही भाषा का लिखित रूप बनता है। हमारी राष्ट्रभाषा हिंदी की लिपि **देवनागरी** है।

नीचे विभिन्न भाषाएँ तथा उनकी लिपियाँ दी गई हैं—

भाषा	लिपि
हिंदी	देवनागरी
अंग्रेज़ी	रोमन
संस्कृत	देवनागरी
उर्दू	फ़ारसी

भाषा	लिपि
जर्मन	रोमन
अरबी	फ़ारसी
मराठी	देवनागरी
पंजाबी	गुरुमुखी

व्याकरण

भाषा के कुछ नियम होते हैं। इन नियमों का ज्ञान हमें व्याकरण से प्राप्त होता है। भाषा को शुद्ध रूप में बोलने या लिखने के लिए व्याकरण की आवश्यकता होती है। इस प्रकार—

व्याकरण हमें भाषा के शुद्ध और मानक रूप का ज्ञान कराता है।

Scanned with CamScanner

व्याकरण के अंग

व्याकरण के तीन मुख्य अंग हैं– वर्ण विचार, शब्द विचार और वाक्य-विचार।

1. **वर्ण-विचार** – इसमें वर्णों (अक्षरों) पर विचार होता है।
2. **शब्द-विचार** – इसमें शब्दों पर विचार होता है।
3. **वाक्य-विचार** – इसमें वाक्यों पर विचार होता है।

इनके बारे में हम आगे पढ़ेंगे।

जानने की बारी

- भावों या विचारों के आदान-प्रदान का माध्यम भाषा कहलाता है।
- भाषा के दो रूप होते हैं– 1. मौखिक भाषा 2. लिखित भाषा
- लिखने के लिए निश्चित किए गए चिह्नों को लिपि कहते हैं।
- व्याकरण भाषा के शुद्ध और मानक रूप का ज्ञान कराता है।

करने की बारी

Worksheet–1

1. सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–

(क) भारत में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है–

पंजाबी ○ अंग्रेज़ी ○ हिंदी ○

(ख) भारत में मान्यता प्राप्त भाषाएँ कितनी हैं?

18 ○ 22 ○ 30 ○

(ग) सबसे अधिक देशों में बोली जाने वाली भाषा है–

फ्रेंच ○ जर्मन ○ अंग्रेज़ी ○

2. बताइए, इनमें भाषा का लिखित रूप प्रयोग होगा या मौखिक रूप?

(क) निबंध-प्रतियोगिता में भाग लेना ____________

(ख) रेडियो पर समाचार सुनना ____________

(ग) मुख्य अतिथि द्वारा भाषण देना ____________

(घ) घर के सामान की सूची बनाना ____________

(ङ) मंदिर में भजन गाना ____________

3. विश्व में बोली जाने वाली छह भाषाओं के नाम लिखिए–

(क) ____________ (ख) ____________

Scanned with CamScanner

(ग) ______ (घ) ______

(ङ) ______ (च) ______

4. **निम्नलिखित भाषाओं की लिपियाँ लिखिए–**

(क) अंग्रेज़ी ______ (ख) हिंदी ______

(ग) उर्दू ______ (घ) मराठी ______

(ङ) पंजाबी ______ (च) अरबी ______

5. **सही शब्द पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) मौखिक भाषा / लिखित भाषा बच्चे विद्यालय में सीखते हैं।

(ख) भारत की राजभाषा हिंदी / पंजाबी है।

(ग) संस्कृत की लिपि देवनागरी / फ़ारसी है।

(घ) भाषा के शुद्ध रूप का ज्ञान व्याकरण / लिपि द्वारा होता है।

(ङ) व्याकरण के तीन / चार मुख्य अंग हैं।

6. **सही कथन के लिए सही (✓) तथा गलत कथन के लिए गलत (×) का चिह्न लगाइए–**

(क) मौखिक भाषा में विचारों का आदान-प्रदान बोलकर होता है। ◯

(ख) सांकेतिक भाषा का प्रयोग केवल आमने-सामने रहकर ही कर सकते हैं। ◯

(ग) राजभाषा में सरकार का सब काम-काज चलता है। ◯

(घ) लिपि के द्वारा ही भाषा का मौखिक रूप बनता है। ◯

(ङ) शब्द-विचार में वर्णों पर विचार होता है। ◯

7. **निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) भाषा किसे कहते हैं? भाषा के कितने रूप हैं?

______

______

(ख) मौखिक भाषा और लिखित भाषा में क्या अंतर है?

______

______

(ग) सांकेतिक भाषा किसे कहते हैं?

______

(घ) लिपि किसे कहते हैं? हिंदी भाषा की लिपि क्या है?

______

______

(ङ) व्याकरण के मुख्य अंग कौन-कौन से हैं?

______

COMPLIMENTARY COPY NOT FOR SALE
LIME PUBLICATIONS

Scanned with CamScanner

आओ सीखें खेल-खेल में

रचनात्मक कार्य

1. अपने अध्यापक/अध्यापिका की सहायता से निम्नलिखित राज्यों में रहने वाले लोगों की मातृभाषा लिखिए–

बंगाल	बंगाली	पंजाब	पंजाबी
हरियाणा	हरियाणवी	गुजरात	गुजराती
कर्नाटक	कन्नड	हिमाचल	
महाराष्ट्र	मराठी	उड़ीसा	उड़िया
असम	असमिया	केरल	मलयालम
गोवा		राजस्थान	राजस्थानी
बिहार	बिहारी	उत्तराखंड	
तेलंगाना	तेलुगु	तमिलनाडु	तमिल

2. निम्नलिखित भाषाओं की पत्रिकाओं अथवा समाचार-पत्रों से कतरन काटकर रिक्त स्थानों में चिपकाइए–

मलयालम   तेलुगु   उड़िया   गुजराती

3. छह अलग-अलग राज्यों में रहने वाले अपने परिचितों/रिश्तेदारों के नाम लिखिए। यह भी बताइए कि वहाँ कौन-सी भाषा बोली जाती है–

	परिचितों/रिश्तेदारों के नाम	राज्यों के नाम	भाषा
1		रायपुर	
2		म.प्र.	
3		उ.प्र.	
4		राजस्थान	
5			
6			

Scanned with CamScanner

2

वर्ण-विचार
(Orthography)

हम जब भी कुछ बोलते हैं तो हमारे मुख से ध्वनियाँ निकलती हैं। उन ध्वनियों को लिखने के लिए कुछ चिह्न बनाए गए हैं। इन चिह्नों को वर्ण कहते हैं। वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है। इसके और अधिक टुकड़े नहीं किए जा सकते। इस प्रकार–

भाषा की वह सबसे छोटी ध्वनि जिसके और टुकड़े नहीं किए जा सकते, **वर्ण** कहलाती है।

वर्णों को क्रम में रखा जाता है। वर्णों के क्रमबद्ध समूह को **वर्णमाला** कहते हैं।

हिंदी की वर्णमाला

स्वर अ आ इ ई उ ऊ ऋ

ए ऐ ओ औ

व्यंजन क ख ग घ ङ

च छ ज झ ञ

ट ठ ड ढ ण ड़ ढ़

त थ द ध न

प फ ब भ म

य र ल व

श ष स ह

वर्ण के भेद

वर्ण के दो भेद होते हैं– स्वर और व्यंजन।

Scanned with CamScanner

1. स्वर

जिन वर्णों को बोलने या लिखने में किसी अन्य ध्वनि की सहायता न लेनी पड़े, उन्हें स्वर कहते हैं। स्वरों की संख्या ग्यारह है।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

स्वर के भेद

स्वर के तीन भेद हैं– ह्रस्व स्वर, दीर्घ स्वर और प्लुत स्वर।

1. ह्रस्व स्वर : इनके उच्चारण में सबसे कम समय लगता है। ये चार हैं– **अ**, **इ**, **उ** और **ऋ**।

2. दीर्घ स्वर : इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से दोगुना समय लगता है। ये सात हैं– **आ**, **ई**, **ऊ**, **ए**, **ऐ**, **ओ** और **औ**।

3. प्लुत स्वर : इनके उच्चारण में ह्रस्व स्वरों से तीन गुना समय लगता है।

जिस स्वर का उच्चारण प्लुत के रूप में किया जाता है, उसके आगे हिंदी की गिनती का अंक ३ लगाया जाता है। जैसे– ओ३म, भैया३, रधिया३ आदि। इनका प्रयोग प्रायः पुकारने और मंत्रोच्चारण के लिए किया जाता है।

स्वर की मात्राएँ

किसी व्यंजन के साथ स्वर को मिलाते समय स्वर का रूप बदल जाता है। यह बदला हुआ रूप ही **मात्रा** कहलाता है।

स्वर	अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	ए	ऐ	ओ	औ
मात्रा	–	ा	ि	ी	ु	ू	ृ	े	ै	ो	ौ

अ की मात्रा पृथक रूप में नहीं होती।

स्वर	मात्रा	वर्ण (मात्रा सहित)	प्रयोग	स्वर का मूल रूप
अ	कोई मात्रा नहीं	क् + अ = क	कल	अमरूद
आ	ा	क् + आ = का	काम	आम
इ	ि	क् + इ = कि	किला	इमली
ई	ी	क् + ई = की	कीमत	ईद
उ	ु	क् + उ = कु	कुछ	उल्लू
ऊ	ू	क् + ऊ = कू	कूल	ऊन
ऋ	ृ	क् + ऋ = कृ	कृपा	ऋषि
ए	े	क् + ए = के	केला	एड़ी
ऐ	ै	क् + ऐ = कै	कैलाश	ऐनक
ओ	ो	क् + ओ = को	कोयल	ओखली
औ	ौ	क् + औ = कौ	कौआ	औरत

2. व्यंजन

जिन वर्णों को बोलते या लिखते समय स्वरों की सहायता लेनी पड़ती है, उन्हें व्यंजन कहते हैं। हिंदी में मूलत: 33 व्यंजन हैं।

इनमें पहले पच्चीस व्यंजन स्पर्श व्यंजन कहलाते हैं–

कवर्ग	क	ख	ग	घ	ङ
चवर्ग	च	छ	ज	झ	ञ
टवर्ग	ट	ठ	ड	ढ	ण
तवर्ग	त	थ	द	ध	न
पवर्ग	प	फ	ब	भ	म

अंतस्थ व्यंजन

य र ल व

ऊष्म व्यंजन

श ष स ह

संयुक्त व्यंजन

क्ष त्र ज्ञ श्र

व्यंजनों के नीचे हलंत (्) लगे होते हैं। जैसे– क्, ख्, ग्, घ्, ङ्। जब इन व्यंजनों के साथ 'अ' स्वर लगता है तो इन्हें इस रूप में लिखते हैं।

क ख ग घ ङ

अयोगवाह

* अं को अनुस्वार कहते हैं। इसका चिह्न ं है। इसका प्रयोग ङ्, ण्, ञ्, न् और म् के स्थान पर किया जाता है। जैसे–

  भंग – भङ्ग संजय – सञ्जय ठंड – ठण्ड दंत – दन्त कंबल – कम्बल
* अँ को अनुनासिक कहते हैं। इसका चिह्न ँ है। इसका प्रयोग सभी स्वरों के साथ होता है। जैसे–

  आँत दाँत अँगना पूँछ चाँद गाँव
* अ: को विसर्ग कहते हैं। इसका चिह्न : है। इसका उच्चारण 'अह्' की तरह होता है। जैसे–

  प्रात: अत: प्राय: दु:ख
* ऑ, ज़ और फ़ आगत वर्ण हैं। इनका प्रयोग अंग्रेज़ी के कुछ शब्दों को लिखने के लिए किया जाता है। जैसे–

  हॉल, डॉक्टर कॉलेज बॉल कॉफी

  ज़ंजीर जहाज़ ज़मीन सफ़ाई फ़ारसी

कुछ अन्य व्यंजन

संयुक्त व्यंजन– दो अलग–अलग व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन संयुक्त व्यंजन कहलाते हैं। जैसे–

क् + ष = **क्ष**	क्षमा	क्षत्रिय	पक्ष	राक्षस	कक्षा
त् + र = **त्र**	त्रिकोण	त्रिभुज	त्रिकाल	त्रिशूल	त्रिभुवन
ज् + ञ = **ज्ञ**	ज्ञान	यज्ञ	विज्ञान	अज्ञात	ज्ञाता
श् + र = **श्र**	श्रम	परिश्रम	श्रवण	अश्रु	श्रमिक

द्‌वित्व व्यंजन– यदि दो समान व्यंजन एक साथ आएँ और उनमें पहला व्यंजन स्वर रहित और दूसरा व्यंजन स्वर सहित हो, तो उन्हें द्‌वित्व व्यंजन कहते हैं। जैसे–

क् + क = **क्क**	पक्का	चक्का	मक्का	छक्का
च् + च = **च्च**	कच्चा	सच्चा	बच्चा	जच्चा
त् + त = **त्त**	पत्ता	कुत्ता	छत्ता	गत्ता
स् + स = **स्स**	रस्सी	लस्सी	अस्सी	मस्सा
ल् + ल = **ल्ल**	दिल्ली	बिल्ली	छल्ली	गिल्ली

र के विभिन्न रूप

- स्वर रहित र अपने स्वतंत्र रूप में लिखा जाता है। जैसे–

  करना भारत राम भरत जवाहर

- स्वर रहित र अगले व्यंजन पर रेफ (र्‍) के रूप में लगता है। जैसे–

  निर्भय धर्म कर्तव्य कर्म स्वर्ग

- स्वर रहित र व्यंजन पर पदेन (्र) के रूप में लगता है। जैसे–

  प्रयोग विक्रम द्रव प्रण क्रम

- स्वर रहित ट्, ड् व्यंजनों के साथ र इस रूप में लगता है। जैसे–

  ट्रक ड्रम राष्ट्र ड्रामा ट्रेन

वर्ण–विच्छेद

विच्छेद का शाब्दिक अर्थ होता है– अलग करना। शब्द के प्रत्येक वर्ण को अलग–अलग करना वर्ण–विच्छेद कहलाता है। जैसे–

ताला = त् + आ + ल् + आ

कछुआ = क् + अ + छ् + उ + आ

अंगूर = अं + ग् + ऊ + र् + अ

प्रेम = प् + र् + ए + म् + अ

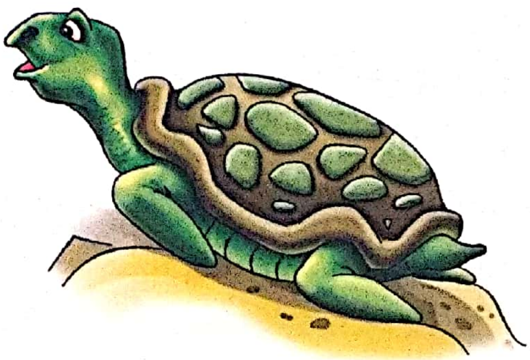

जानने की बारी

- वर्ण भाषा की सबसे छोटी इकाई है।
- वर्ण के दो भेद होते हैं– स्वर और व्यंजन।
- व्यंजन के साथ जुड़ने पर स्वर का बदला हुआ रूप मात्रा कहलाता है।
- जो वर्ण न तो स्वर होते हैं और न ही व्यंजन, उन्हें अयोगवाह कहते हैं।

करने की बारी

Worksheet–2

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) कुल कितने स्वर होते हैं?

आठ ◯ दस ◯ ग्यारह ◯

(ख) हिंदी में मूलत: कितने व्यंजन हैं?

25 ◯ 28 ◯ 33 ◯

(ग) इनमें कौन-सा वर्ण अयोगवाह है?

अं ◯ अ ◯ आ ◯

2. **उचित स्थान पर अनुस्वार (ं) या अनुनासिक (ँ) का चिह्न लगाइए–**

(क) हसना (ख) पसद (ग) चचल

(घ) आख (ङ) बदर (च) कगन

(छ) बदूक (ज) मगल (झ) चादी

(ञ) काटा (ट) सतरा (ठ) रगना

3. **नीचे दिए गए शब्दों में 'र' का प्रयोग उचित स्थान पर कीजिए–**

(क) पाण (ख) कपया (ग) पाथना (घ) पयोग (ङ) आशीवाद

(च) हादिक (छ) पणाम (ज) कतव्य (झ) राष्ट (ञ) कम

4. **दिए गए संयुक्त व्यंजन वाले दो-दो शब्द लिखिए–**

(क) श्र ________ ________

(ख) त्र ________ ________

(ग) क्ष ________ ________

(घ) ज्ञ ________ ________

5. **दिए गए द्वित्व व्यंजनों से दो-दो शब्द बनाइए–**

(क) च्च बच्चा। सच्चा

Scanned with CamScanner

(ख) क्क पक्का धक्का
(ग) त्त पत्ता सत्ता
(घ) स्स रस्सी लस्सी
(ङ) ल्ल गल्ला हल्ला

6. इन शब्दों का वर्ण-विच्छेद कीजिए–

(क) मैदान म + ऐ + द + आ + न + अ
(ख) अखबार अ + ख + अ + ब + आ + र + अ
(ग) व्यवहार व् + य + अ + व + अ + ह + आ + र + अ
(घ) पचास प + अ + च + आ + स + अ
(ङ) मदारी म + अ + द + आ + र + ई

7. वर्णों को जोड़कर शब्द बनाइए–

(क) क् + इ + त् + आ + ब् + अ किताब
(ख) अ + ज् + अ + य् + अ अजय
(ग) स् + ए + व् + अ + क् + अ सेवक
(घ) म् + अ + छ् + अ + ल् + ई मछली
(ङ) क् + ए + ल् + आ केला

8. इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

(क) वर्ण किसे कहते हैं?

(ख) वर्ण के कितने भेद होते हैं?

(ग) अनुनासिक और अनुस्वार में अंतर स्पष्ट कीजिए।

आओ सीखें खेल-खेल में

रचनात्मक कार्य

तीन ऐसे जीव-जंतुओं के चित्र चिपकाइए जिनके नामों में संयुक्त अथवा द्वित्व व्यंजन का प्रयोग हुआ हो।

कुत्ता

Scanned with CamScanner

3

शब्द-विचार
(Morphology)

शब्दों की रचना वर्णों के मेल से होती है। जैसे–

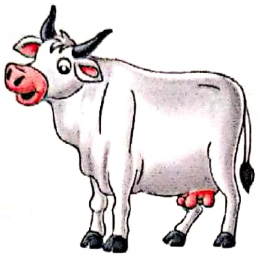

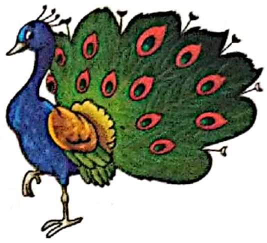

'तोता', 'गाय' और 'मोर' की रचना वर्णों के मेल से हुई है। इनका कोई-न-कोई अर्थ है। इसलिए ये शब्द हैं। इस प्रकार–

वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।

शब्दों के प्रकार

हिंदी भाषा में शब्दों को तीन आधारों पर बाँटा गया है– उत्पत्ति के आधार पर, बनावट के आधार पर और प्रयोग के आधार पर।

1. उत्पत्ति के आधार पर– उत्पत्ति के आधार पर शब्द चार प्रकार के होते हैं–

(क) तत्सम शब्द– संस्कृत के वे शब्द जो हिंदी भाषा में ज्यों-के-त्यों प्रयोग किए जाते हैं, तत्सम शब्द कहलाते हैं। जैसे– सर्प, ग्राम, सूर्य आदि।

(ख) तद्भव शब्द– संस्कृत भाषा के वे शब्द जो हिंदी भाषा में कुछ बदले हुए रूप में प्रयुक्त होते हैं, तद्भव शब्द कहलाते हैं। जैसे– आम (आम्र), आँख (अक्षि), कान (कर्ण), ऊँचा (उच्च) आदि।

तत्सम और तद्भव शब्दों के उदाहरण

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
दुग्ध	दूध
सर्प	साँप
हस्त	हाथ
लौह	लोहा
सत्य	सच

तत्सम शब्द	तद्भव शब्द
रात्रि	रात
आम्र	आम
मस्तक	माथा
मक्षिका	मक्खी
नृत्य	नाच

(ग) देशज शब्द– ऐसे शब्द जो क्षेत्र विशेष की विभिन्न बोलियों से हिंदी में आ गए हैं, देशज शब्द कहलाते हैं। जैसे– चिड़िया, डिबिया, आय, पत्थर, गाड़ी आदि।

(घ) विदेशी शब्द– इसके अंतर्गत विदेशी भाषाओं के वे शब्द आते हैं, जो हिंदी में प्रचलित हो गए हैं। जैसे– स्टेशन, मोटर, चपरासी, मकान आदि।

Scanned with CamScanner

अंग्रेज़ी	फ़ारसी	अरबी	तुर्की	पुर्तगाली	चीनी
डॉक्टर	काग़ज़	कमीज़	बहादुर	चाबी	चाय
कॉलेज	बाज़ार	जहाज़	दरोगा	बालटी	लीची
पेन	आज़ादी	इलाज़	कैंची	संतरा	तूफ़ान
स्कूल	दुकान	मालिक	तोप	तौलिया	पटाखा
चॉकलेट	आदमी	अमीर	चम्मच	अलमारी	चीकू

2. रचना (बनावट) के आधार पर– रचना के आधार पर शब्दों के तीन भेद हैं– रूढ़ शब्द, यौगिक शब्द तथा योगरूढ़ शब्द।

(क) रूढ़ शब्द– जो शब्द हमेशा से किसी विशेष अर्थ के लिए प्रयोग होते रहे हैं, उन्हें रूढ़ शब्द कहते हैं। जैसे– कमल, लड़की, पगड़ी, चिड़िया आदि।

(ख) यौगिक शब्द– वे सार्थक शब्द जो कई सार्थक शब्दों के योग अथवा मेल से बने हैं, उन्हें यौगिक शब्द कहते हैं। यौगिक शब्दों के सार्थक खंड किए जा सकते हैं। जैसे–

विद्यालय – विद्या + आलय

स्नानघर – स्नान + घर

राष्ट्रपति – राष्ट्र + पति

सेनापति – सेना + पति

(ग) योगरूढ़ शब्द– ऐसे शब्द जिनके टुकड़े तो हो सकते हैं परंतु उन टुकड़ों का सीधा अर्थ न निकलकर कोई विशेष अर्थ निकलता है, योगरूढ़ शब्द कहलाते हैं। जैसे–

पंक + ज = **पंकज** (पंक यानी कीचड़ में जन्म लेने वाला अर्थात कमल)

नील + कंठ = **नीलकंठ** (नीले कंठ वाला अर्थात शिव)

3. प्रयोग के आधार पर– प्रयोग के आधार पर शब्द दो प्रकार के होते हैं–

(क) विकारी शब्द– इनके रूप में लिंग, वचन तथा काल के कारण परिवर्तन आ जाता है। जैसे– संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण एवं क्रिया शब्द।

(ख) अविकारी शब्द– इनके रूप में कभी भी किसी भी स्थिति में कोई भी परिवर्तन नहीं होता। जैसे– क्रियाविशेषण, संबंधबोधक, समुच्चयबोधक तथा विस्मयादिबोधक शब्द।

इन शब्दों के विषय में आप अगले अध्यायों में पढ़ेंगे।

जानने की बारी

* वर्णों के सार्थक मेल को शब्द कहते हैं।
* शब्दों को तीन आधारों पर बाँटा गया है– उत्पत्ति के आधार पर, बनावट के आधार पर और प्रयोग के आधार पर।
* उत्पत्ति के आधार पर शब्द के चार भेद होते हैं– तत्सम, तद्भव, देशज, और विदेशी शब्द।
* बनावट के आधार पर शब्द के तीन भेद होते हैं– रूढ़, यौगिक और योगरूढ़।
* प्रयोग के आधार पर शब्द के दो भेद होते हैं– विकारी और अविकारी।

Scanned with CamScanner

करने की बारी

Worksheet–3

1. **सही उत्तर पर सही (✓) का चिह्न लगाइए–**

(क) तत्सम शब्द कौन-सा है?

हाथ ◯ हस्त ◯ हथेली ◯

(ख) विदेशी शब्द कौन-सा है?

पत्थर ◯ गाड़ी ◯ टेलीफ़ोन ◯

(ग) यौगिक शब्द कौन-सा है?

कमल ◯ हिमालय ◯ पगड़ी ◯

2. **दिए गए शब्दों में अन्य शब्द जोड़कर यौगिक शब्द बनाइए–**

(क)	पुस्तक	+	आलय	पुस्तकालय
(ख)	रसोई	+	घर	रसोईघर
(ग)	डाक	+	घर	डाकघर
(घ)	महा	+	नायक	महानायक
(ङ)	पाठ	+	शाला	पाठशाला
(च)	वायु	+	यान	वायुयान

3. **इन शब्दों को पहचानकर उनके आगे रूढ़, यौगिक या योगरूढ़ लिखिए–**

(क)	चिड़िया	रूढ़	(ख)	हिमालय	यौगिक
(ग)	गजानन	योगरूढ़	(घ)	पुस्तक	रूढ़
(ङ)	प्रयोगशाला	यौगिक	(च)	लड़का	रूढ़
(छ)	पीतांबर	योगरूढ़	(ज)	गुलाब	यौगिक
(झ)	राष्ट्रप्रेम	यौगिक	(झ)	लंबोदर	योगरूढ़

4. **निम्नलिखित भाषाओं के तीन-तीन शब्द लिखिए–**

(क) अंग्रेज़ी ________ ________ ________

(ख) फ़ारसी ________ ________ ________

(ग) अरबी ________ ________ ________

(घ) तुर्की ________ ________ ________

(ङ) पुर्तगाली ________ ________ ________

5. **निम्नलिखित शब्दों के तत्सम रूप लिखिए–**

(क)	दूध	दुग्ध	(ख)	रात	रात्रि
(ग)	साँप	सर्प	(घ)	आम	आम्र

Scanned with CamScanner

(ङ)	लोहा	लौह	(च)	माथा	मस्तक
(छ)	सच	सत्य	(ज)	मक्खी	मक्षिका
(झ)	कान	कर्ण	(ञ)	नाच	नृत्य

6. **इन प्रश्नों के उत्तर लिखिए–**

(क) शब्द किसे कहते हैं?

(ख) उत्पत्ति के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

(ग) प्रयोग के आधार पर शब्द कितने प्रकार के होते हैं?

(घ) तत्सम और तद्भव शब्दों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

(ङ) देशज और विदेशी शब्दों में अंतर स्पष्ट कीजिए।

आओ सीखें खेल-खेल में

रचनात्मक कार्य

1. **अपनी हिंदी पाठ्यपुस्तक से पचास कठिन शब्द एक कागज़ पर लिखिए। इन शब्दों को वर्णमाला के क्रमानुसार अपनी हिंदी अलबम में लिखिए। अब इनके अर्थ शब्दकोश से ढूँढ़कर लिखिए।**
2. **नीचे दिए गए योगरूढ़ शब्दों के अर्थ पता करके उनके चित्र चिपकाइए–**

जलज	लंकेश	वारिध	रणछोर

Scanned with CamScanner